

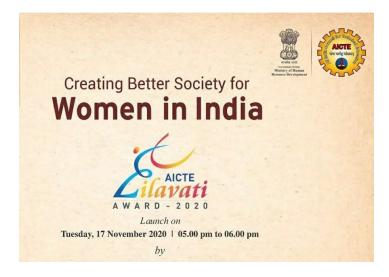
# प्रिलिम्स फैक्ट्स: 18 नवंबर, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-18-november-2020

### लीलावती पुरस्कार-2020

#### Lilavati Award-2020

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये 'अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद' (All India Council for Technical Education-AICTE) के अभिनव शिक्षा कार्यक्रम 'लीलावती अवार्ड-2020' (Lilavati Award-2020) की शुरुआत की।



### प्रमुख बिंदु:

- इस पहल के माध्यम से जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के साथ 'समानता एवं निष्पक्षता' का व्यवहार करने के लिये जन जागरूकता फैलाना है।
- इस पहल से AICTE द्वारा अनुमोदित संस्थानों में सभी हितधारकों (विशेषकर छात्राओं) को एक अनूठा अवसर मिलेगा।

इन अवसरों में लैंगिक भेदभाव के प्रचलित मुद्दों का समाधान प्रस्तुत करना है, जिसमें अशिक्षा, बेरोज़गारी, आर्थिक एवं पोषण संबंधी असमानताएँ, मातृ मृत्यु दर, मानव अधिकार आदि शामिल हैं।

• इसके अलावा यदि किसी ने महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु बड़े पैमाने पर समाज में एक आदर्श स्थापित करने की दिशा में सफल प्रयास किया है तो वह अपने प्रयासों/योगदानों का प्रदर्शन कर सकता है।

### लीलावती अवार्ड-2020 (Lilavati Award-2020):

- इस पुरस्कार की थीम 'महिला सशक्तीकरण' (Women Empowerment) है।
- उद्देश्यः इसका उद्देश्य सफाई, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, साक्षरता, रोज़गार, प्रौद्योगिकी, ऋण, विपणन, नवाचार, कौशल विकास, प्राकृतिक संसाधनों और महिलाओं के अधिकारों जैसे मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
- इस पुरस्कार के अंतर्गत बहु-विषयक क्षेत्रों को कवर किया जाएगा जिनमें महिलाओं का स्वास्थ्य, आत्म-रक्षा, स्वच्छता, साक्षरता, उद्यमशीलता और कानूनी जागरूकता संबंधी विषय शामिल हैं।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी और साथ ही शैक्षिक संस्थानों में उच्च पदों पर महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी।

### भारत का पहला कन्वर्जेंस प्रोजेक्ट

#### **India's first Convergence Project**

<u>कर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड</u> (Energy Efficiency Services Limited- EESL) और गोवा सरकार ने राज्य में **भारत के पहले कन्वर्जेंस प्रोजेक्ट** (India's first Convergence Project) को शुरू करने के संबंध में चर्चा के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।



## प्रमुख बिंदु:

- ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड (EESL), विद्युत मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (Department of New & Renewable Energy- DNRE) के तहत सार्वजिंक उपक्रमों का एक संयुक्त उद्यम है।
- इस समझौता ज्ञापन के तहत EESL एवं DNRE व्यवहार्यता अध्ययन और उसके बाद विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन को अंजाम देंगे।
  - EESL सौर ऊर्जा परियोजनाओं को क्रियान्वित करेगा।
  - कृषि पंपिग के लिये इस्तेमाल की जाने वाली सरकारी ज़मीनों पर 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा।
  - ॰ यह लगभग 6300 कृषि पंपों को BEE स्टार रेटेड ऊर्जा कुशल पंपों से बदल देगा और ग्रामीण इलाकों में लगभग 16 लाख एलईडी बल्ब वितरित करेगा।

 गोवा इस कन्वर्जेंस प्रोजेक्ट को अपनाने वाला भारत का पहला राज्य है। इस प्रोजेक्ट से बिजली कंपिनयों (डिस्कॉम) में सुधार किये जाने से स्वच्छ ऊर्जा की प्राप्ति होगी और आगामी 25 वर्षों की अविध में गोवा को लगभग 2574 करोड़ रुपए की बचत होगी।

यह कन्वर्जेंस प्रोजेक्ट किसानों को स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ ऊर्जा कुशल पंप सेट भी उपलब्ध कराएगा, जो बिजली की खपत को कम करने के अलावा कृषि एवं ग्रामीण फीडर नेटवर्क को बिजली पहुँचाने से जुड़े पारेषण एवं वितरण घाटे को भी कम करेगा।

- गोवा में सस्ती दरों पर स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से EESL अपने पहले कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाएँ स्थापित करेगा। इसके लिये ग्राम पंचायतों और बिजली बोर्ड द्वारा प्रदान की गई खाली या अप्रयुक्त भूमि का इस्तेमाल किया जाएगा।
- सौर ऊर्जा संयंत्र को सब-स्टेशन के पास ही स्थापित किया जाएगा, जिसकी क्षमता 500 किलोवाट से लेकर 2 मेगावाट तक होगी, हालाँकि इसका निर्धारण भूमि के आकार के आधार पर किया जाएगा। इससे वितरण कंपनियों को दिन में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा पारेषण के नुकसान को कम करने में सहायता प्राप्त होगी।

#### लाभ:

- ये परियोजनाएँ विशेष रूप से गोवा में कृषि एवं ग्रामीण बिजली की खपत के लिये अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाने में तेज़ी लाएंगी।
- ये परियोजनाएँ ऊर्जा कुशल पंपिंग तथा उवित प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से ऊर्जा की उच्च मांग को कम करने में भी सिक्रय योगदान देंगी।

### अनाक्रायम लघु जलविद्युत परियोजना

### **Anakkayam Small Hydro Electric Project**

केरल में पर्यावरणविद एवं आदिवासी समुदाय वज़हाचल (Vazhachal) वन प्रभाग में **केरल राज्य विद्युत बोर्ड** (Kerala State Electricity Board- KSEB) द्वारा संचालित **अनाक्कायम लघु जलविद्युत परियोजना** (Anakkayam Small Hydro Electric Project) का विरोध कर रहे हैं।

### प्रमुख बिंदु:

- इस विरोध का कारण वन भूमि पर आदिवासी अधिकारों का उल्लंघन और पर्यावरणीय विनाश बताया गया है।
- KSEB ने हाल ही में वज़हाचल डिवीज़न में आवंटित वन क्षेत्र में ठोस लकड़ी और शीशम के पेड़ों को हटाने का आदेश जारी किया ताकि इस जलविद्युत परियोजना के निर्माण कार्य को गति दी जा सके।
- अनाक्कायम लघु जलविद्युत परियोजना के तहत शोलायर बाँध (Sholayar Dam) के जल का उपयोग करके बिजली पैदा की जाएगी।
- KSEB के अनुसार, इस परियोजना से उत्पादित बिजली का उच्च मूल्य होगा क्योंकि शोलायर जलाशय में 12.3 टीएमसी जल के निस्तारण के कारण उत्पादन मुख्य रूप से गर्मियों के मौसम में होता है।

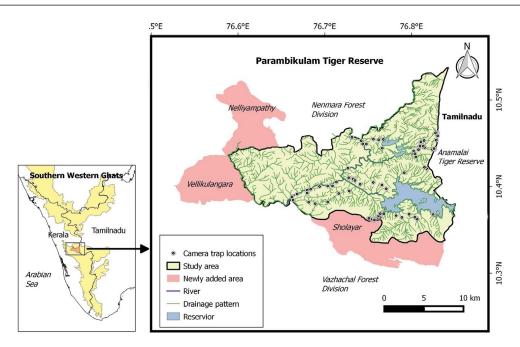
7.5 मेगावाट की यह परियोजना लगभग आठ हेक्टेयर वन भूमि पर परिम्बकुलम टाइगर रिजर्व
(Parambikulam Tiger Reserve- PTR) के बफर ज़ोन में स्थापित की जाएगी।
यह परियोजना सबसे पहले 1990 के दशक में चर्चा में आई थी और 139.62 करोड़ रुपए की लागत
वाली इस परियोजना को हाल ही में प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी।

### लोअर शोलायर बाँध (Lower Sholayar Dam):

- यह बाँध चालाकुडी नदी बेसिन में अवस्थित है।
- लोअर शोलयार बाँध, चालाकुडी शहर (Chalakudy Town) से लगभग 60 किमी. की दूरी पर अवस्थित है। अपर और लोअर के साथ अंतर इसलिये है क्योंकि इस बाँध में दो जलाशय हैं।
- अपर शोलायार बाँध तमिलनाडु में अवस्थित है, जबिक लोअर शोलायार बाँध केरल में अवस्थित है।
- पर्यटन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होने के कारण यह बाँध स्थानीय लोगों की जीवन रेखा है और यह बाँध शोलायर वनों से घिरा हुआ है।

### परम्बिकुलम टाइगर रिज़र्व

#### (Parambikulam Tiger Reserve- PTR):



- परम्बिकुलम टाइगर जिर्व दक्षिण भारत के केरल राज्य के पलक्कड़ जिले में 391 वर्ग किलोमीटर का संरक्षित क्षेत्र है।
- यहाँ वन्यजीव अभयारण्य, जिसका क्षेत्रफल 285 वर्ग किलोमीटर है, वर्ष 1973 में स्थापित किया गया था। परम्बिकुलम वन्यजीव अभयारण्य को 19 फरवरी, 2010 को परम्बिकुलम टाइगर जिर्व के हिस्से के रूप में घोषित किया गया था।
- यह अन्नामलाई हिल्स और नेल्लीयाम्पथी (Nelliyampathy) पहाड़ियों के बीच पहाड़ियों की सुंगम (Sungam) श्रेणी में अवस्थित है।

## चालाकुडी नदी (Chalakudy River):

- चालाकुडी नदी केरल की चौथी सबसे लंबी नदी है।
- इस नदी का कुल बेसिन क्षेत्र तकरीबन 1704 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से 1404 किलोमीटर का हिस्सा केरल में पड़ता है और शेष 300 किलोमीटर का हिस्सा तिमलनाड़ में पड़ता है।
- यह नदी केरल के पलक्कड़, त्रिशुर और एर्नाकुलम ज़िलों से होकर बहती है।

#### काकापो तोता

#### **Kakapo Parrot**

गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) काकापो तोता (Kakapo Parrot) ने अभूतपूर्व रूप से दूसरी बार न्यूजीलैंड बर्ड ऑफ द ईयर 2020 (New Zealand Bird of the Year 2020) प्रतियोगिता जीती है।



## प्रमुख बिंदु:

- 'बर्ड ऑफ द ईयर' प्रतियोगिता न्यूज़ीलैंड के पक्षियों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिये न्यूज़ीलैंड के स्वतंत्र संरक्षण संगठन 'फॉरेस्ट एंड बर्ड' द्वारा आयोजित एक वार्षिक प्रतियोगिता है।
- न्यूज़ीलैंड के संरक्षण विभाग के अनुसार, यह तोते की सबसे भारी प्रजातियों में से एक है। वर्ष 2019 काकापो का सबसे सफल प्रजनन काल रहा।
  - शोधकर्त्ताओं का मानना है कि इस तोते का प्रजनन पैटर्न बदलने का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन हो सकता है।
- काकापो तोता (जिसका माओरी भाषा में अर्थ 'नाइट पैरेट' है), जिसे 'उल्लू तोता' (Owl Parrot) के रूप में भी जाना जाता है, न्यूज़ीलैंड का रात्रिचर एवं न उड़ पाने वाला तोता है।
- वर्तमान में इनकी कुल संख्या 147 है।
- इसे <u>IUCN</u> की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) श्रेणी में तथा <u>CITES</u> में परिशिष्ट 1 (Appendix 1) में सूचीबद्ध किया गया है।